हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड
HINDUSTAN COPPER LIMITED
CIN No. : L27201WB1967GO1028825
भारत सरकार का उपक्रम
A GOVT.OF INDIA ENTERPRISE
पंजीकृत एवं प्रधान कार्यालय
Registered & Head Office
ताम्र भवन TAMRA BHAVAN
1, आशुतोष चौधरी एवेन्यु
1, Ashutosh Chowdhury Avenue,
कोलकाता KOLKATA-700 019

सं. HCL/SCY/SE/ 2023

29 सितम्बर 2023

वरिष्ठ महाप्रबंधक
निगमित सेवा विभाग
बीएसई लिमिटेड
फिरोज़ जीजाबॉय टावर्स
दलाल स्ट्रीट
मुंबई 400 001
बीएसई स्क्रिप कोड : 513599

उपाध्यक्ष
लिस्टिंग विभाग
नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इण्डिया लि.
एक्सचेंज प्लाज़ा, सी-1, ब्लॉक-जी
बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व)
मुंबई - 400 051

महोदय / महोदया,

विषय : सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम 2015 के विनियम 30 के संदर्भ में 29 सितंबर, 2023 को आयोजित कंपनी की 56वीं वार्षिक आम बैठक की कार्यवाही

1. शुक्रवार, 29 सितंबर, 2023 को सुबह 11:00 बजे, भारतीय मानक समय पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग/अन्य ऑडियो-विज़ुअल माध्यमों से आयोजित हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड की 56वीं वार्षिक आम बैठक की कार्यवाही संलग्न है।

2. उपर्युक्त सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के विनियम 30 के अनुसार सूचना और रिकॉर्ड के लिए प्रस्तुत किया गया है।

सधन्यवाद,

भवदीय

ह0/-
(सी. एस. सिंघी)
कम्पनी सचिव एवं
अनुपालन अधिकारी

अनुलग्नक: यथा उपर्युक्त।

अनुबंध

हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड ('कंपनी') की 56वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) की कार्यवाही का सारांश, शुक्रवार, 29 सितंबर, 2023, भारतीय मानक समय, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग या अन्य ऑडियो-विज़ुअल माध्यमों से 11 बजे पूर्वाह्न से 12-50 अपराह्न तक आयोजित किया गया।

कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) श्री घनश्याम शर्मा ने वार्षिक आम बैठक (एजीएम) की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान कोरम उपस्थित रहा। 105 (एक सौ पांच) सदस्य वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग या अन्य ऑडियो-विज़ुअल माध्यमों से एजीएम में शामिल हुए। बैठक से पहले का कामकाज निपटाया गया। अध्यक्ष द्वारा दिए गए भाषण की एक प्रति संलग्न है।

सदस्यों द्वारा किए गए सामान्य और विशेष व्यवसाय नीचे क्रम संख्या 1 से 10 के तहत सूचीबद्ध हैं। विचार-विमर्श के दौरान सदस्यों द्वारा उठाए गए प्रश्नों का उत्तर दिया गया।

सदस्यों को रिमोट ई-वोटिंग द्वारा वोट डालने की सुविधा 26 सितंबर, 2023 (सुबह 9:00 बजे) से 28 सितंबर, 2023 (शाम 5:00 बजे) तक प्रदान की गई थी। बैठक के दौरान सदस्यों को ई-वोटिंग की सुविधा भी प्रदान की गई। 56वीं एजीएम नोटिस दिनांक 01.09.2023 के अनुसार व्यवसाय की निम्नलिखित वस्तुओं का लेन-देन किया गया:

साधारण व्यवसाय

1. 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण (एकल और समेकित) के साथ निदेशकों, लेखा परीक्षकों और सी एंड एजी की रिपोर्ट (साधारण संकल्प) को अपनाना ।

2. वित्तीय वर्ष 2022-73 के लिए इक्विटी शेयरों पर लाभांश की घोषणा (साधारण संकल्प)।

3. श्री संजीव कुमार सिंह (DIN:09548389), जो रोटेशन द्वारा सेवानिवृत्त होते हैं और पात्र होने के कारण खुद को पुनर्नियुक्ति (साधारण संकल्प) के लिए पेश करते हैं, की निदेशक के रूप में पुनर्नियुक्ति ।

4. श्री संजीव वर्मा (DIN:08836996), जो रोटेशन द्वारा सेवानिवृत्त होते हैं और पात्र होने के कारण खुद को पुनर्नियुक्ति (साधारण संकल्प) के लिए पेश करते हैं, की निदेशक के रूप में पुनर्नियुक्ति ।

5, लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक तय करना (साधारण संकल्प),

विशेष व्यवसाय

6. खान मंत्रालय के आदेश संख्या Met.3-10/3/2020-Met.lll दिनांक 1.2.2023 के अनुसार श्री घनश्याम शर्मा (DIN:07090008) को उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि 28.07.2023 से कंपनी के निदेशक (वित्त) के रूप में नियुक्ति (साधारण संकल्प)।

7. वित्त वर्ष 2023-24 (साधारण संकल्प) के लिए कंपनी के लागत लेखा परीक्षक, मेसर्स चटर्जी एंड कंपनी, लागत लेखाकारों को भुगतान किए जाने वाले पारिश्रमिक का अनुसमर्थन और पुष्टि।

8. योग्य संस्थागत प्लेसमेंट पद्धति (विशेष संकल्प) के माध्यम से इक्विटी शेयरों की पेशकश, जारी करने और आवंटन को मंजूरी।

9. योग्य संस्थागत प्लेसमेंट पद्धति (विशेष संकल्प) के माध्यम से शेयरों को आगे जारी करने से संबंधित सभी मामलों से निपटने के लिए क्यूआईपी समिति के गठन को मंजूरी,

10. रु. 2,500 करोड़ की समग्र उधार सीमा के भीतर अगले बारह महीनों के दौरान 500 करोड़ रुपये से अधिक की राशि के सुरक्षित या असुरक्षित गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर/बॉन्ड को निजी प्लेसमेंट के आधार पर पेश करने, जारी करने और आवंटित करने की मंजूरी (विशेष संकल्प).

बैठक के एजेंडे के अनुसार सभी प्रस्ताव सदस्यों द्वारा अपेक्षित बहुमत से पारित किये गये।

हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड
ह/-
(सी.एस.सिंघी)
कंपनी सचिव एवं
अनुपालन अधिकारी

हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड

अध्यक्षीय सम्बोधन

56 वीं वार्षिक आम बैठक

29 सितम्बर 2023, कोलकाता

प्रिय शेयरधारकगण,

सुप्रभात! हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) की 56वीं वार्षिक आम बैठक में आप सभी का स्वागत है, जो कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय और सेबी द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार वर्चुअली आयोजित की जा रही है। चूंकि अपेक्षित कोरम मौजूद है, अत: बैठक प्रारंभ की जाती है।
वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट जिसमें 31 मार्च, 2023 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए 56 वीं वार्षिक आम बैठक की सूचना, निदेशकों की रिपोर्ट, लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण शामिल हैं, आपको परिचालित की गई है। मुझे विश्वास है कि आपने इसका अध्ययन कर लिया है और कंपनी के प्रदर्शन से स्वयं को अवगत कर लिया है। आपकी अनुमति से, मैं वार्षिक रिपोर्ट 2022-23 को पढ़ा हुआ मानता हूँ।

एचसीएल की यात्रा लचीलापन, अनुकूलनशीलता और उत्कृष्टता के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता के रुप में चिह्नित की गई है। वर्षों से, हमने गतिशील बाजार की स्थितियों, विकसित प्रौद्योगिकियों और बदलते वैश्विक परिदृश्य के अनुरुप यात्रा की है। अखंडता, स्थिरता और जिम्मेदार खनन प्रथाओं के हमारे मूल मूल्यों के प्रति हमारे अटूट समर्पण ने यह सुनिश्चित किया है कि हम न केवल जीवित रहें, बल्कि उद्योग के लिए कीर्तिमान स्थापित करने में कामयाब हों।
दुनिया तेजी से नई प्रौद्योगिकियों, पर्यावरणीय अनिवार्यताओं और बदलती बाजार गतिशीलता के साथ विकसित हो रही है जो हमारे उद्योग की रूपरेखा को बदल रही है। यह जरूरी है कि हम इसे अपनायें, नवप्रवर्तन करें और सबसे आगे रहें। अत: मैं भारतीय अर्थव्यवस्था और तांबा क्षेत्र में विभिन्न घटनाक्रमों पर चर्चा करना चाहूंगा जिनका धातु और खनन क्षेत्र पर व्यापक प्रभाव पड़ा है। मैं इस अवसर पर वित्तीय वर्ष 2022-23 में कंपनी के प्रदर्शन को भी साझा करना चाहूँगा।

भारतीय अर्थव्यवस्था :

भारतीय अर्थव्यवस्था बढ़ती खपत और सरकार द्वारा उठाए गए सकारात्मक नियामक उपायों के कारण तीव्र गति से विस्तारित हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में देश की आर्थिक वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रही। भारत के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 2023 की अप्रैल-जून तिमाही में भारत की जीडीपी सालाना 7.8% की गति से बढ़ी, जबकि 2023 की जनवरी-मार्च तिमाही में सालाना 6.1% की वृद्धि हुई थी। चूंकि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है, इसलिए भारत की तांबे की मांग भारतीय अर्थव्यवस्था में विकास के साथ बढ़ने की उम्मीद है।

वैश्विक व्यापार परिदृश्य

इंटरनेशनल कॉपर स्टडी ग्रुप (ICSG) के अनुमानानुसार कैलेंडर वर्ष 2022 से कैलेंडर वर्ष 2023 में विश्व तांबा खान उत्पादन 21.95 मिलियन टन होने से लगभग 3% की वृद्धि और कैलेंडर वर्ष 2024 में लगभग 2.5% की वृद्धि होने की उम्मीद है। प्रारंभिक आंकड़ों से पता चलता है कि कैलेंडर वर्ष 2023 की पहली छमाही के दौरान खान उत्पादन में वृद्धि लगभग 2% है, जिसमें कंसंट्रेट उत्पादन में 2.2% और सॉलवेंट एक्सट्रेक्शन - इलेक्ट्रोविनिंग (SX-EW) में 1.5% की वृद्धि हुई है।

यह बताया गया है कि 2023 की पहली छमाही में वैश्विक खदान उत्पादन को कुछ स्टार्ट-अप और विस्तार से लाभ हुआ। हालाँकि, विश्व विकास चिली, इंडोनेशिया, पनामा और संयुक्त राज्य अमेरिका में परिचालन संबंधी मामलों के साथ-साथ पेरू में सामुदायिक कार्रवाइयों के कारण सीमित था।

ICSG के पूर्वानुमान के अनुसार, विश्व परिष्कृत तांबा उत्पादन कैलेंडर वर्ष 2022 से कैलेंडर वर्ष 2023 में 25.64 मिलियन टन होने से लगभग 2.6% बढ़ने की उम्मीद थी और कैलेंडर वर्ष 2024 में लगभग 4.4% की वृद्धि होने का अनुमान है। प्रारंभिक आंकड़ों से संकेत मिलता है कि कैलेंडर वर्ष 2023 की पहली छमाही के दौरान परिष्कृत तांबा उत्पादन में लगभग 7% की वृद्धि है, जिसमें प्राथमिक उत्पादन में 6% और सेकेंडरी उत्पादन में 12% की वृद्धि हुई है।

प्रारंभिक आंकड़ों से संकेत मिलता है कि कैलेंडर वर्ष 2023 की पहली छमाही के दौरान स्पष्टत: परिष्कृत तांबे के उपयोग में 1.4% की वृद्धि के पूर्वानुमान के बजाय लगभग 4% की वृद्धि है।

बाजार की प्रवृत्ति

परिष्कृत तांबे की **LME** कीमत अगस्त, 2023 तक औसतन 8,446 अमेरिकी डॉलर प्रति टन थी, जो पूरे वित्त वर्ष 2022-23 में देखे गए औसत 8,551 अमेरिकी डॉलर प्रति टन से कम है। ऑस्ट्रेलियाई मुख्य अर्थशास्त्री कार्यालय के अनुसार, 2023 की दूसरी छमाही में कीमतों में उछाल आने की संभावना है।

तांबा उद्योग

इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों, भवन निर्माण, औद्योगिक मशीनरी, परिवहन उपकरण और उपभोक्ता तथा सामान्य उत्पादों जैसे विस्तारित क्षेत्रों में इसकी अपरिहार्यता के कारण तांबे की वैश्विक मांग आगे चलकर बढ़ने की उम्मीद है। दुनिया भर में हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों के कार्यान्वयन की प्रगति जिसमें संबंधित चार्जिंग बुनियादी ढांचे, अमेरिका और यूरोपीय संघ द्वारा डीकार्बोनाइजेशन नीति और जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए हरित ऊर्जा पर जोर दिये जाने के कारण तांबे की मांग भी बढ़ेगी । तांबा एक हरी धातु है और इसे नया तेल भी कहा जाता है, इसे वैश्विक अर्थव्यवस्था को शुद्ध शून्य उत्सर्जन की ओर ले जाने के लिए एक मुख्य चालक माना गया है। इसके अलावा, तांबे की रोगाणुरोधी संपत्ति महामारी पश्चात की दुनिया में स्वास्थ्य के क्षेत्र में नए युग के अनुप्रयोग के रुप में है।

भारतीय तांबा परिदृश्य

भारत में सीमित तांबा अयस्क भंडार है जो विश्व तांबा भंडार का लगभग 0.3% है। भारत की खनन उत्पादन क्षमता दुनिया की खनन उत्पादन क्षमता का लगभग 0.1% है, जबकि परिष्कृत तांबा उत्पादन क्षमता दुनिया की क्षमता का लगभग 4% है। हालाँकि, KCL (कच्छ कॉपर लिमिटेड) द्वारा नए स्मेल्टर, रिफाइनरी प्लांट की प्रस्तावित कमीशनिंग से हिस्सेदारी में उल्लेखनीय वृद्धि होगी जो अगले वर्ष निर्धारित है।

एचसीएल की भारत में लगभग 55% तांबा अयस्क भंडार और संसाधनों तक पहुंच है, जिसका औसत ग्रेड 0.96% है। वित्त वर्ष 2022-23 में भारत में तांबा अयस्क का उत्पादन करीब 33.5 लाख टन रहा था। एचसीएल अगले 6 से 7 वर्षों में चरण-I में अपनी खनन क्षमता को अपने वर्तमान अयस्क उत्पादन स्तर से बढ़ाकर 12.2 मिलियन टन प्रति वर्ष करने की योजना कार्यान्वित कर रहा है।

भारत में तांबे की खपत 'मेक इन इंडिया', 'स्मार्ट सिटी' कार्यक्रमों, बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में तेजी से विकास पर ध्यान केंद्रित करने, रक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहनों पर जोर देने के साथ-साथ

कच्चे माल को सुनिश्चित करने और आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत आत्मनिर्भरता की ओर सरकार के जोर दिये जाने के कारण तेजी से बढ़ने की उम्मीद है।

भौतिक प्रदर्शन

कंपनी ने वित्त वर्ष 2021-22 में उत्पादित 35.70 लाख टन की तुलना में वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 33.47 लाख टन अयस्क उत्पादन हासिल किया है। हालांकि, वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान मेटल इन कंसंट्रेट (एमआईसी) उत्पादन पिछले वर्ष के 24,741 टन की तुलना में 24,760 टन था, जिसमें लगभग 0.80% की मामूली वृद्धि दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान कंपनी की बाहरी पार्टियों के लिए टोलिंग संचालन के माध्यम से वायर रॉड का उत्पादन 6,558 टन है, जबकि पिछले वर्ष में यह 1,241 टन था। एमआईसी उत्पादन के लिए कंपनी का भौतिक प्रदर्शन मुख्य रूप से मध्य प्रदेश के मलांजखंड तांबा परियोजना, मध्य प्रदेश की ओपन पिट खदान में खनन के लिए पर्याप्त संख्या में बेंचों की अनुपलब्धता के कारण वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य से कम था, क्योंकि ओपन पिट वाली खदान अपनी अंतिम गहराई तक पहुंच चुकी है और यह ओपन कास्ट ऑपरेशन से भूमिगत खनन कार्यों में परिवर्तन के चरण में है; झारखंड राज्य सरकार द्वारा खनन लीज डीड का निष्पादन नहीं किए जाने के कारण सूरदा खान, घाटशिला में उत्पादन का निलंबन ; कोलिहान कॉपर माइन में क्रशर टूटने और खेतड़ी कॉपर कॉम्प्लेक्स, राजस्थान में लगातार पानी की कमी थी।

खदानों से अयस्क उत्पादन बढ़ाने और कमी को पूरा करने के लिए, कंपनी ने वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान एमसीपी ओपन पिट खदान के लिए अनुबंध देना और क्रियान्वयन, एमसीपी में भूमिगत खदान के आसानी से उपलब्ध स्टोप से कॉपर अयस्क के उत्पादन के लिए वित्त वर्ष 2021-22 में दिए गए दो छोटे अल्पकालिक अनुबंधों का निष्पादन जैसे कई कदम उठायें हैं।
इसके अलावा, एमसीपी भूमिगत खान से अयस्क उत्पादन में लगे प्रमुख ठेकेदार ने आयातित उपकरणों को साइट पर लाना शुरू कर दिया है जिससे स्टोप विकास मात्रा में पर्याप्त वृद्धि हुई है और एमसीपी में भूमिगत खान स्टोप से अयस्क उत्पादन में क्रमिक वृद्धि हुई है।

वित्तीय प्रदर्शन

वित्त वर्ष 2022-23 में आपकी कंपनी ने 1677.33 करोड़ रुपये का परिचालन से राजस्व प्राप्त किया है, जबकि वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान यह 1821.93 करोड़ रुपये था, जिसका मुख्य कारण तांबे की एलएमई कीमत 9691 अमेरिकी डॉलर/मीट्रिक टन से घटकर 8551 अमेरिकी डॉलर/मीट्रिक टन और वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 1088 मीट्रिक टन कम बिक्री की मात्रा है।

वित्त वर्ष **2022-23** के दौरान कंपनी का EBITDA 586.52 करोड़ रुपये है**,** जबकि वित्त वर्ष **2021-22** में यह **560.53** करोड़ रुपये था**,** इस प्रकार **4.63%** की वृद्धि दर्ज की गई। बेहतर श्रेणी के अयस्क के खनन, ऋण में 252 करोड़ रुपये की कमी, डायनेमिक विपणन नीति और वस्तुओं एवं सेवाओं की प्रभावी खरीद के कारण कंपनी के EBITDA में सुधार हुआ है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2021-22 में 381.72 करोड़ रुपये की तुलना में 395.66 करोड़ रुपये का परिचालन से कर पूर्व लाभ कमाया, जिससे 3.65% की वृद्धि दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2021-22 में 373.78 करोड़ रुपये की तुलना में 2022-23 के दौरान परिचालन से कर पश्चात लाभ 295.31 करोड़ रुपये था। इसका मुख्य कारण यह था कि वित्त वर्ष 2021-22 का लाभ पिछले वर्ष के कैरी फॉरवर्ड घाटे से समायोजित किया गया था। कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन में सुधार के लिए उपाय किए गए हैं, जिसके परिणाम आने वाले वर्षों में दिखाई देंगे।

वर्ष के दौरान कंपनी की क्रेडिट रेटिंग ICRA A1+ पर बनाए रखी गई है, जो किसी भी कंपनी के लिए सर्वोत्तम संभव अल्पकालिक रेटिंग है, और ICRA AA + (स्थिर), किसी भी कंपनी के लिए दूसरी सबसे अच्छी दीर्घकालिक रेटिंग है।

आपकी कंपनी ने कंपनी के उच्चतम नैतिक मानकों और निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं की मान्यता में विनिर्माण बड़े उद्यमों की श्रेणी में प्रतिष्ठित 35 वां CFBP जमनालाल बजाज उचित व्यवहार पुरस्कार -2022-23 जीता है।

लाभांश

आपकी कंपनी के निदेशक मंडल ने वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों के अनुमोदन हेतु वितीय वर्ष 2022-23 के लिए कर पश्चात लाभ का 30.13% लाभांश भुगतान करने की सिफारिश की है, जो कंपनी की प्रदत्त इक्विटी पूंजी का 18.32% के बराबर है। इस मद में लगभग 88.97 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

विस्तार परियोजनाएं

आपकी कंपनी वित्त वर्ष 2028-29 तक खान उत्पादन क्षमता को मौजूदा स्तर से 12.2 MTPA तक बढ़ाने के लिए विस्तार परियोजनाओं को लागू कर रही है। इससे भारत द्वारा आयात पर निर्भरता कम करने और तांबा धातु के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा।

एमसीपी (मध्य प्रदेश) में प्रस्तावित विस्तार से मौजूदा ओपन पिट के नीचे भूमिगत खदान विकसित करके अयस्क उत्पादन क्षमता 2.5 से बढ़कर 5.0 MTPA हो जाएगी। एमसीपी में भूमिगत खदान से तांबा अयस्क के उत्पादन हेतु एक अनुबंध विकास, उत्पादन ड्रिलिंग और अयस्क उत्पादन के लिए जुलाई, 2019 में दिया गया था। ठेकेदार ने साइट पर उत्पादन उपकरण जुटाने का काम पूरा कर लिया है और जुलाई, 2022 से स्टोप से तांबा अयस्क का उत्पादन शुरू कर दिया है । इसके अलावा, कंपनी ने एमसीपी में भूमिगत खदान की खाली स्थान (Voids) को भरने के लिए 3.00 एमटीपीए पेस्ट फिल प्लांट के निर्माण हेतु ईपीसी अनुबंध भी प्रदान किया है और साइट पर निर्माण कार्य पहले ही प्रारंभ हो चुका है।

पश्चिमी क्षेत्र अर्थात खेतड़ी और कोलिहान खान (राजस्थान में) में खानों के प्रस्तावित विस्तार से अयस्क उत्पादन क्षमता मौजूदा 1.0 से बढ़कर 3.0 एमटीपीए हो जाएगी।

झारखंड में सूरदा खदान के फिर से खुलने और प्रस्तावित विस्तार से इसकी उत्पादन क्षमता 0.4 एमटीपीए से बढ़कर 0.9 एमटीपीए हो जाएगी।

अन्वेषण

वित्त वर्ष **2022-23** के दौरान**,** आपकी कंपनी ने एचसीएल के विभिन्न लीजों में अयस्क निकायों के गहराई विस्तार का आकलन करने के साथ-साथ कंपनी की ताम्र अयस्क इनवेन्ट्री को बढ़ाने हेतु अन्वेषण पर अपना ध्यान केन्द्रित किया है। इन प्रयासों से तांबा अयस्क भंडार और संसाधनों में 66.59 मिलियन टन अयस्क की वृद्धि हुई है। इस मद में पिछले 10 वर्षों के व्यय की तुलना में अन्वेषण के बजट में लगभग पांच गुना वृद्धि की गई है। वित्त वर्ष 2022-23 में पूरा किया गया भूवैज्ञानिक ड्रिलिंग और संबंधित कार्य पिछले 10 वर्षों में कंपनी द्वारा की गई अन्वेषण गतिविधियों का लगभग चार गुना है।

कंपनी ने जनवरी, 2023 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स), [IIT ISM)], धनबाद के साथ सहयोगी और प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौता ज्ञापन एचसीएल को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के अनुप्रयोग के साथ संशोधित खनन विधियों, खानों में उत्पादकता और सुरक्षा में सुधार, पर्यावरण मंजूरी के मुद्दों, विभिन्न हाइड्रोलॉजिकल और हाइड्रो-भूवैज्ञानिक अध्ययनों और तांबा अयस्क भंडार की गहराई की खोज के लिए

भूभौतिकीय अन्वेषण, रिमोट सेंसिंग आदि जैसे अपरंपरागत अन्वेषण विधियों के क्षेत्रों में तांबा अयस्क उत्पादन बढ़ाने के लिए आईआईटी-आईएसएम से तकनीकी सहायता, मार्गदर्शन और परामर्श कार्य प्राप्त करने की अनुमति देगा।

कॉर्पोरेट गवर्नेंस

आपकी कंपनी सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के प्रावधानों और कॉर्पोरेट शासन से संबंधित सार्वजनिक उद्यम विभाग, भारत सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है। निदेशकों की रिपोर्ट में कारपोरेट अभिशासन पर एक अलग खंड शामिल किया गया है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस पैरामीटर के अनुपालन हेतु "उत्कृष्ट" ग्रेड हासिल किया है।

सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारी

पर्यावरण प्रबंधन के लिए आपकी कंपनी की प्रतिबद्धता अटूट बनी हुई है। हम जिम्मेदार खनन और टिकाऊ प्रथाओं के महत्व को समझते हैं। हम उन प्रौद्योगिकियों और रणनीतियों में निवेश करना जारी रखेंगे जो हमारे पारिस्थितिक निशान को कम करते हैं। हमारा उद्देश्य न केवल विनियामक आवश्यकताओं को पूरा करना है, बल्कि उन्हें पार करना और खनन क्षेत्र के लिए नए मानक स्थापित करना है।

आपकी कंपनी अपनी खनन इकाइयों में और उसके आसपास रहने वाले लोगों के बीच आत्मनिर्भरता और कल्याण को बढ़ावा देकर उनके जीवन और आजीविका में सुधार करने पर केंद्रित है, इस प्रकार वास्तविक रुप में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देती है।

आपकी कंपनी का खनन कार्य आदिवासी बहुल जिलों में है। क्षेत्र में सार्वजनिक सेवा वितरण चुनौतीपूर्ण है और लोग अपनी कुछ बुनियादी आवश्यकताओं के लिए एचसीएल पर निर्भर हैं और इसलिए, वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, एचसीएल ने कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत अनिवार्य दायरे के अलावा सीएसआर गतिविधियों पर खर्च करना जारी रखा जो समुदाय के लिए फायदेमंद है। वित्त वर्ष 2022-23 में, एचसीएल ने स्वास्थ्य शिविरों और कोविड-19 के लिए दवाओं एवं परीक्षण किट, स्कूलों की मरम्मत और शौचालयों के निर्माण, सुनिश्चित चावल उत्पादन की प्रणाली पर महिला किसानों को प्रशिक्षण, पेयजल सुविधाओं, पोषण, आजीविका और ग्रामीण विकास पर 118.30 लाख रुपये खर्च किए हैं, जिससे एचसीएल की खनन इकाइयों के आसपास के 40 गांवों में 50,000 से अधिक लोग लाभान्वित हुए हैं।

कंपनी को हाल ही के दिनों में अपनी सीएसआर गतिविधियों के लिए कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं जैसे राष्ट्रीय सीएसआर पुरस्कार, गोल्डन पीकॉक पुरस्कार, ET Now CSR लीडरशिप अवार्ड्स आदि।

औद्योगिक संबंध

पूरे वर्ष औद्योगिक संबंध पूरी कंपनी में शांतिपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण बने रहे। ट्रेड यूनियनों और अधिकारियों के संघ ने महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रबंधन को अपना पूर्ण समर्थन और प्रतिबद्धता व्यक्त की।

आभारोक्ति

अपनी बात समाप्त करने से पहले, निदेशक मंडल की ओर से, मैं शेयरधारकों को उनके निरंतर समर्थन और विश्वास के लिए अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। यह हमें अपने सभी कार्यों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है। निश्चित रूप से हमारा प्रयास होगा कि हम कंपनी के निरंतर विकास, विस्तार और समृद्धि के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें, जिससे सभी हितधारकों को लाभ हो।

मैं इस अवसर पर खान मंत्रालय को उसके निरंतर समर्थन और मूल्यवान मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं राज्य सरकारों और अन्य सभी प्राधिकरणों और विनियामक एजेंसियों द्वारा दिए गए समर्थन को भी स्वीकार करता हूं।

मैं बोर्ड में अपने सहयोगियों को उनके मूल्यवान मार्गदर्शन और कंपनी को उपलब्धि के उच्च स्तर पर ले जाने में योगदान के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।

बोर्ड की ओर से, मैं कंपनी के बेहतर संचालन की दिशा में सभी कर्मचारियों, ट्रेड यूनियनों, हितधारकों के प्रयासों, प्रतिबद्धता और रचनात्मक सहयोग को भी स्वीकार करता हूं।

मैं आप सभी को एक बार फिर धन्यवाद देता हूं और आने वाले त्योहारों के मौसम के लिए अपनी शुभकामनाएं देता हूं। कृपया सुरक्षित रहें और अपने परिवार और खुद की बहुत अच्छी देखभाल करें।
धन्यवाद।

घनश्याम शर्मा
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

कोलकाता
29 सितम्बर 2023

(यह कंपनी की वार्षिक आम बैठक की कार्यवाही का रिकार्ड होने का दावा नहीं करता है)